कार्यालय,रक्षा लेखा महानियंत्रक,

उलन बटार रोड, पालम, दिल्ली छावनी-110010

(हिंदी कक्ष)

सं0 0746/हि0क0/हि0प0/मु0का0 **दिनांक : 13 सितम्बर, 2018**

सेवा में

प्रधान लेखा नियंत्रक(फै0)/
सभी रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक/रक्षा लेखा नियंत्रक

विषय : हिंदी दिवस के अवसर पर रक्षा लेखा महानियंत्रक का संदेश।

****

हिंदी दिवस के अवसर पर समारोह में पढ़ने के लिए रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक का संदेश जारी किया गया है। इसे रक्षा लेखा महानियंत्रक की वैबसाइट **www.cgda.nic.in** से डाउनलोड कर लिया जाए।

(श्रीनिवास शर्मा)
सहायक निदेशक (रा.भा.)

प्रशांत नारायण सुकुल, भा.र.ले.से
P. N. Sukul, IDAS
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक
Addl. CGDA

सत्यमेव जयते

रक्षा लेखा महानियंत्रक
Controller General of Defence Accounts
उलान बटार रोड, पालम
Ulan Batar Road, Palam
दिल्ली छावनी – 110010
Delhi Cantt - 110010
दूरभाष–फैक्स : 011-25674774
Tel.-Fax : 011-25674774
ईमेल/Email : sukulpn@nic.in
मो०/Mob. : 9810866142

संदेश

14 सितम्बर, हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विभाग के सभी अधिकारियों कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि लोग परस्पर विचारों और सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए प्रायः उसी भाषा का प्रयोग करते हैं जो उनके लिए सुविधाजनक हो, सहज हो और सरल हो। जो भाषा सहजता से ग्राह्य होती है उसकी प्रगति बिना किसी बाधा के संभव होती है। स्वतंत्रता के पश्चात् भारत की एकता एवम् अखंडता को बरकरार रखने के लिए संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि केन्द्र सरकार के कार्यालयों में सरकारी कामकाज की भाषा हिंदी होगी, जिसकी लिपि देवनागरी है।

हमारा देश विविध संस्कृतियों, भाषा और भूषाओं वाला देश है। केन्द्र सरकार के कार्यालयों में विभिन्न प्रदेशों से आये अधिकारी, कर्मचारी काम करते हैं। स्पष्ट है कि सभी की मातृभाषाएं पृथक्-पृथक् होंगी। सरकार का प्रयास है कि "प्रोत्साहन", "प्रेरणा" एवम् "सद्भावना" से हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाया जाए। इसके लिए आप सबका सौहार्दपूर्ण सहयोग इन प्रयासों को सफल बनाएगा। आपसी सहयोग से ही विकास होता है।

सरकारी कार्य निष्पादन के लिए हिंदी ही ऐसी भाषा है जो सर्वाधिक लोगों द्वारा बोली जाती है, समझी जाती है और सबको सहज रूप में स्वीकार्य है। हमारे संविधान निर्माताओं ने इस अपेक्षाओं को समझते हुए ही राजभाषा के रूप में हिंदी को चुना था।

अब हम सबका दायित्व बनता है कि हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हर पल, हर संभव प्रयास करते रहें।

जय हिन्द !

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

हिंदी दिवस, 2018